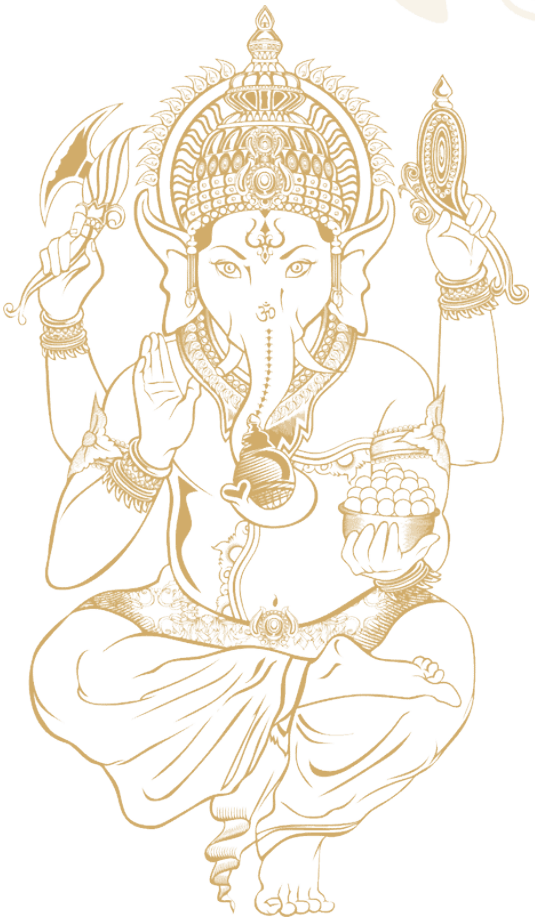

D

S

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121008204

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/09/1993	जन्म तिथि	05/05/1994
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 08:47:00	जन्म समय	23:46:00 घंटे
घटी 06:06:14	जन्म समय(घटी)	44:17:18 घटी
India	देश	India
Baroda	स्थान	Ahmedabad
22:18:00 उत्तर	अक्षांश	23:03:00 उत्तर
73:13:00 पूर्व	रेखांश	72:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:08	स्थानिक संस्कार	-00:39:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:20:30	सूर्योदय	06:04:13
18:52:06	सूर्यास्त	19:08:16
23:46:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:54

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 10वर्ष 8मा 8दि	19:50:42	कन्या	लग्न	धनु	24:45:24	गुरु 7वर्ष 2मा 5दि
केतु	16:52:13	सिंह	सूर्य	मेष	21:13:59	बुध
13/05/2021	09:09:53	मीन	चंद्र	कुंभ	27:20:54	11/07/2020
13/05/2028	20:21:28	कन्या	मंगल	मीन	22:25:47	11/07/2037
केतु 09/10/2021	21:22:57	सिंह	बुध	मेष	27:33:16	बुध 07/12/2022
शुक्र 09/12/2022	21:46:42	कन्या	गुरु व	तुला	15:19:10	केतु 04/12/2023
सूर्य 16/04/2023	13:56:31	कर्क	शुक्र	वृष	17:45:30	शुक्र 04/10/2026
चन्द्र 15/11/2023	02:07:51	कुंभ व	शनि	कुंभ	16:45:35	सूर्य 11/08/2027
मंगल 12/04/2024	13:18:25	वृश्चि व	राहु व	वृश्चि	00:03:40	चन्द्र 09/01/2029
राहु 01/05/2025	13:18:25	वृष व	केतु व	वृष	00:03:40	मंगल 06/01/2030
गुरु 07/04/2026	24:41:52	धनु व	हर्ष व	मक	02:33:09	राहु 26/07/2032
शनि 16/05/2027	24:47:51	धनु व	नेप व	धनु	29:32:23	गुरु 01/11/2034
बुध 13/05/2028	29:13:24	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	03:14:39	शनि 11/07/2037

लग्न-चलित

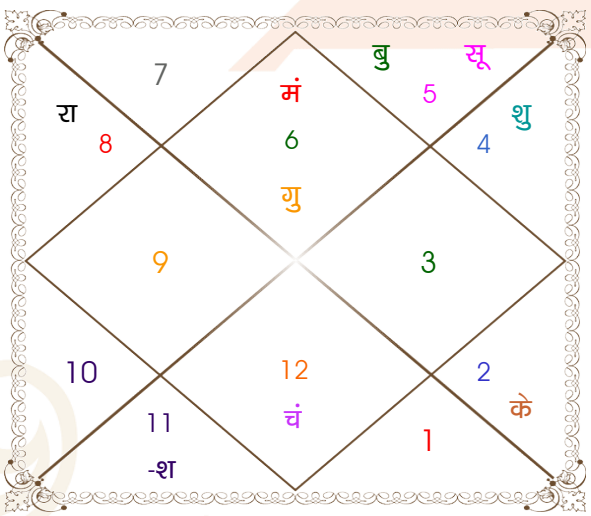

लग्न-चलित

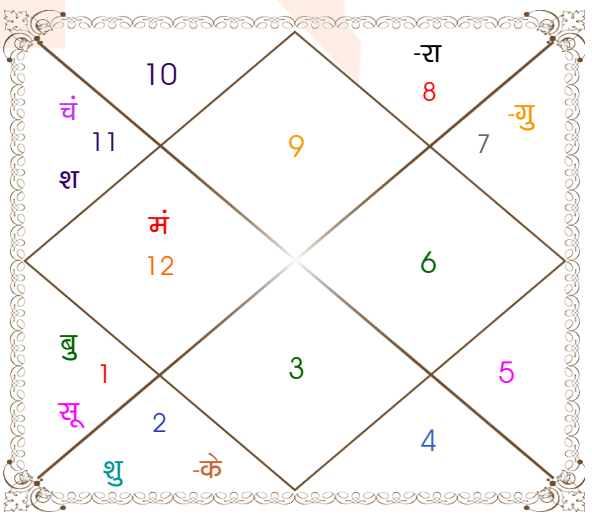

Dr.Pankaj R. Trivedi Shree Harsiddhi JYOTISH Katyalaya
137 Swagat Complex Kadodara Tal Palsana Distrct Surat Gujrat-394327
9925223039
harsiddhi.kdr@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.00		

भकूट दोष कष्टदायक हS क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

D का वर्ग सर्प हS तथा S का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार D और S का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

D मंगलीक हS क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु D कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

S मंगलीक हS क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि S कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित हS अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु D कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित हS अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

D तथा S में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।